अलगाव का आकर्षण

आज की दुनिया में स्वतंत्रता और खुद पर ध्यान देना अक्सर ताकत का प्रतीक माना जाता है। लोग कहते हैं, “अपने काम से काम रखो”—और कुछ हद तक यह सलाह सही भी है। अपने उद्देश्य पर ध्यान देना और अनावश्यक उलझनों से बचना हमारे मन को शांति और स्पष्टता दे सकता है।

लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यधिक अलगाव खतरनाक है। प्रार्थना और चिन्तन के लिए अकेले समय बिताना बाइबिल में सही माना गया है, जैसे यीशु ने सुबह जल्दी उठकर अकेले प्रार्थना की (मार्क 1:35)। पर ईश्वर ने हमें पूरी तरह दूसरों से कटकर नहीं रहने के लिए नहीं बनाया। हम समुदाय, संगति और पारस्परिक जवाबदेही के लिए बनाए गए हैं (इब्रानियों 10:24–25)।

1. लैश का मामला — अलगाव के खिलाफ बाइबिल की चेतावनी

शास्त्र संदर्भ: न्यायियों 18:7,28

लैश का शहर एक शांत, समृद्ध और आत्मनिर्भर लोग था। वे अपने आसपास के क्षेत्रों से दूर रहते थे और किसी के साथ कोई संबंध नहीं रखते थे।

> “□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□□; □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□□□, □□□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□; □□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□; □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□-□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□” (□□□□□□□□□ *18:7) (YouVersion | The Bible App | Bible.com)*

□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ — □□□□□, □□□□□□□, □□□□□□□□□□

तो हर कोई बिना सहारे कमजोर पड़ जाता है।

2. एकता की बुद्धिमत्ता

शास्त्र संदर्भ: सभोपदेशक 4:9‑12

“एक से दो अच्छे हैं, क्योंकि उनके परिश्रम का अच्छा फल
मिलता है। यदि उनमें से एक गिर पड़े, तो दूसरा उसे उठा देगा; परन्तु दुःख है उस पर जो अकेला है, क्योंकि गिरने पर उसे
उठाने वाला कोई नहीं। फिर यदि दो एक साथ हों, तो वे गरम
रहेंगे; पर अकेला कैसे गरम हो सकता है? यदि कोई अकेले प्रबल
हो तो हो, परन्तु दो उसका सामना कर सकेंगे। और तीन तागों से
बनी डोरी जल्दी नहीं टूटती।” (सभोपदेशक 4:9‑12) (YouVersion |
The Bible App | Bible.com)

यह पद हमें बताता है कि सहयोग और एकता में ही शक्ति होती है। एक साथ मिलकर चलने से हम कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं—एक अकेला आदमी स्वयं को संभाल नहीं पाता।

3. शत्रु की रणनीति — विभाजित करो और नष्ट करो

शैतान की चालें आज भी वही हैं: वह अलगाव में ही काम करता है। वह चाहता है कि हम अकेले चलें—कलीसिया से दूर, चर्च सभा से दूर, दूसरों से कटकर।
वह घमंड और ठहराव की भावना फैलाता है कि “मुझे किसी की जरूरत नहीं।” पर यह सोच आध्यात्मिक रूप से हमें कमजोर बनाती है।

पौलुस ने कलीसिया की तुलना एक शरीर से की है, जिसमें कई अंग हैं। कोई भी अंग खुद से पूरी तरह काम नहीं कर सकता, यदि बाकी शरीर से जुड़ा न हो। (1 कुरिन्थियों 12:12‑27)

4. यीशु की महायाजक प्रार्थना — एकता ईश्वर की इच्छा है

शास्त्र संदर्भ: यूहन्ना 17:21‑23

यीशु ने प्रार्थना में कहा:

“कि वे सब एक हों; जैसा तू हे पिता मुझ में है, और मैं तुझ
में; वैसे ही वे भी हम में एक हों, जिससे संसार विश्वास करे
कि तू ही ने मुझे भेजा है।…और वह महिमा जो तूने मुझे दी है, मैंने उन्हें दी है, कि वे वैसे ही एक हों जैसे हम एक हैं; और मैं उन में और तू मुझ में कि वे सिद्ध होकर एक हो जाएँ…” (यूहन्ना 17:21‑23) (YouVersion | The Bible App | Bible.com)

यीशु का दिल यह था कि उनके अनुयायी एकता में रहें — वैसी एकता जैसे पिता और पुत्र में है। यह एकता दुनिया को यह संदेश देती है कि ईश्वर ने हमें भेजा है।

स्वतंत्रता बगैर संगति — असफलता का मार्ग

लैश की कहानी हमें यह सिखाती है:
एक शांत और स्वतंत्र जीवन, यदि किसी समुदाय या सम्बन्ध के साथ न जुड़ा हो, तो वह अस्थिर और असुरक्षित है।

ईश्वर ने हमें साथ मिलकर चलने, विश्वास के साथ जुड़ने, प्रार्थना में एक‑दूसरे का साथ देने के लिए बनाया है।
इसलिए:

✅ जुड़े रहो
✅ जवाबदेह रहो
✅ एकता में चलो
✅ शक्ति और सुरक्षा पाओ

“एक दूसरे का बोझ उठाओ, और इस प्रकार मसीह के कानून को पूरा करो।” — गलातियों 6:2 (पवित्र बाइबिल) (YouVersion | The Bible App | Bible.com)

□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ — □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ — □□□ □□□□□□□□□□ □□□□

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp